संविधान

अध्याय - 01

सीखने के प्रतिफल—

- भारतीय संविधान के महत्वपूर्ण आयामों की चर्चा करते हैं।
- मौलिक अधिकार और मौलिक कर्त्तव्यों के समुचित उदाहरणों से स्पष्ट करते है।

भारतीय संविधान तत्वों और मूल भावना के संबंध में अद्वितीय है। हालांकि इसके कई तत्व विश्व के विभिन्न संविधानों से लिये गये हैं। भारतीय संविधान के कई ऐसे तत्व हैं जो अन्य देशों के संविधान से अलग पहचान प्रदान करते है।

संविधान किसी भी देश का मौलिक कानून है जो सरकार के विभिन्न अंगों की रूपरेखा और मुख्य कार्य का निर्धारण करता है। साथ ही यह सरकार और देश के नागरिकों के बीच संबंध भी स्थापित करता है। भारतीय संविधान का निर्माण एक विशेष संविधान सभा के द्वारा किया गया है, और इस संविधान की अधिकांश बातें लिखित रूप में हैं। भारत का संविधान विश्व का सबसे लम्बा लिखित संविधान हे। इसमें लगभग 470 अनुच्छेद, 25 भाग, 12 अनुसूचियाँ और 104 (1951 से 2019 तक) संशोधन हैं।

संविधान के प्रकार निम्न है—

- **उत्पति के आधार पर—**

(i) विकसित संविधान

(ii) निर्मित संविधान

- **परिवर्तनशीलता के आधार पर—**

(i) कठोर

(ii) लचीला

- **निर्माण के आधार पर—**

(i) लिखित संविधान

(ii) अलिखित संविधान

उपविषय वस्तु

- संविधान प्रस्तावना

संविधान के प्रकार

- संविधान की विशेषता
- संविधान के आयाम
- संघवाद
- संसदीय शासन प्रणाली
- न्यायपालिका
- मौलिक अधिकार
- मौलिक कर्त्तव्य
- धर्मनिरपेक्षता
- मानवाधिकार
- अभ्यास प्रश्न
- स्मरणीय तथ्य

यह भी जानें

संविधान दो शब्दों से मिलकर बना है। 'सम' और 'विधान'।

© JCERT not to be republished

विकसित संविधान—

इस प्रकार के संविधान का निर्माण किसी निश्चित समय में कुछ निश्चित कमियों द्वारा नहीं होता, आवश्यकता व परिस्थिति के अनुसार विकसित होते है।

निर्मित संविधान—

इस प्रकार के संविधान को निश्चित समय में कुछ व्यक्तियों द्वारा बनाया जाता है। इसका निर्माण वाद-विवाद तथा विचार-विमर्श द्वारा होता हे।

कठोर संविधान—

ऐसा संविधान जिसमें संशोधन करने में कठिनाई हो कठोर संविधान कहलाता है। अमेरिका का संविधान विश्व का सबसे कठोर संविधान माना जाता है।

यह भी जानें

लिखित संविधान वाले देश—

- भारत
- अमेरिका
- स्विट्जरलैंड
- जर्मनी
- कनाडा
- फ्रांस

अलिखित संविधान वाले देश—

- ब्रिटेन
- सऊदी अरब
- न्यूजीलैण्ड

लचीला संविधान—

ऐसा संविधान जिसमें संशोधन करने में आसानी हो, लचीला संविधान कहलाता है। ब्रिटेन का संविधान विश्व का सबसे लचीला संविधन माना जाता है।

लिखित संविधान—

नियमों और कानूनों का ऐसा संग्रह जो लिखित अवस्था में होता है—उसे लिखित संविधान कहते है। विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान भारत का है।

अलिखित संविधान—

नियमों और कानूनों का ऐसा संग्रह जो लिखित अवस्था में नहीं होता हे, बल्कि मौखिक होता है, उसे अलिखित या मौखिक संविधान कहते है। अलिखित संविधान रीति-रिवाजों, परम्पराओं और न्यायी निर्णयों पर आधारित होता है।

© JCERT not to be republished

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. संविधान क्या है ?

उत्तर—संविधान किसी भी देश का मौलिक कानून है जो सरकार के विभिन्न अंगों की रूपरेखा और मुख्य कार्य का निर्धारण करता है। साथ-ही-साथ यह सरकार और देश के नागरियों के बीच संबंध भी स्थापित करता है।

प्रश्न 2. लिखित संविधान किसे कहते है ?

उत्तर—नियमों एवं कानूनों का ऐसा संग्रह जो लिखित अवस्था में होता है, उसे लिखित संविधान कहते है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

(i) किस देश का संविधान लिखित है?

(क) कनाडा (ख) ब्रिटेन (ग) इजरायल (घ) सऊदी अरब

उत्तर—(क) कनाडा।

(ii) उत्पत्ति के आधार पर संविधान का कौन-सा प्रकार शामिल है ?

(क) निर्मित संविधान (ख) कठोर संविधान (ग) लिखित संविधान (घ) नम्य संविधान

उत्तर—(क) निर्मित संविधान।

(iii) लचीला संविधान किसे कहते है ?

(क) जो संविधान लिखित रूप में उपलब्ध है।

(ख) जिस संविधान को संशोधन करना आसान हो।

(ग) जो संविधान लिखित रूप में उपलब्ध नहीं हो।

(घ) जिस संविधान को संशोधन करना आसान नहीं है।

उत्तर—(ख) जिस संविधान को संशोधन करना आसान हो।

© JCERT not to be republished

संविधान की विशेषताएँ—

(i) लिखित एवं निर्मित संविधान

(ii) विश्व का सबसे बड़ा संविधान

(iii) संविधान की प्रस्तावना

(iv) भारतीय संविधान में विभिन्न संविधानों का समावेश

(v) कठोर एवं लचीला का संविधान में समन्वय

(vi) संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न राज्य

(vii) लोकतंत्रात्मक गणराज्य

(viii) सरकार का संसदीय रूप

(ix) सार्वभौम वयस्क मताधिकार

(x) एकीकृत न्याय व्यवस्था

(xi) धर्मनिरपेक्ष राज्य

(xii) त्रिस्तरीय सरकार

(xiii) मौलिक अधिकार एवं कर्त्तव्य

संविधान निमार्ण से संबंधित कुछ बातें—

- भारत में सर्वप्रथम संविधान का विचार 'मानवेन्द्र नाथ रॉय ने दिया।
- भारत में सर्वप्रथम संविधान की माँग करने वाला दल स्वराज दल था।
- भारत में सर्वप्रथम संविधान की माँग करने वाले व्यक्ति मोती लाल नेहरू थे।
- भारतीय संविधान पर सर्वप्रथम भाषण महात्मा गाँधी ने दिया था।
- भारतीय संविधान को जनता तक लाने का श्रेय प.जवाहर लाल नेहरू का है।
- भारतीय संविधान का मूल स्त्रोत भारत की जनता है।
- डॉ. भीमराव अम्बेडकर को भारतीय संविधान का जनक कहा जाता है।

चर्चा करें—

विद्यालय में हम किन-किन नियमों का पालन करते है? अगर हम उन नियमों को नहीं माने तो क्या होगा?

गतिविधि—

फुटबॉल एवं क्रिकेट के खेल के नियमों की सूची बनाये। यदि हम ये दोनों खेलों के नियमों को मिला कर खेले तो क्या होगा ?

अतिलघु प्रश्न

प्रश्न 1. विश्व का सबसे बड़ा अलिखित एवं पुराना संविधान किस देश का है ?

उत्तर—ब्रिटेन।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 2. सबसे छोटा लिखित संविधान किस देश का है ?

उत्तर—अमेरिका (केवल 7 अनुच्छेद है)

प्रश्न 3. भारत में सबसे पहले संविधान का विचार दिया था ?

उत्तर—मानवेंद्र नाथ रॉय।

प्रश्न 4. भारत में सर्वप्रथम संविधान की माँग करने वाला दल कौन था ?

उत्तर—स्वराज दल

प्रश्न 5. भारत में सर्वप्रथम संविधान की माँग करने वाले व्यक्ति कौन थे ?

उत्तर—मोती लाल नेहरू

प्रश्न 6. भारतीय संविधान को जनता तक लाने का श्रेय किस को दिया जाता है।

उत्तर—पं. जवाहर लाल नेहरू को

प्रश्न 7. भारतीय संविधान का जनक किसे कहाँ जाता है ?

उत्तर—डॉ. भीमराव अम्बेडकर

प्रश्न 8. भारत के संविधान को बनने में कितना समय लगा ?

उत्तर—2 वर्ष 11 महीना 18 दिन।

प्रश्न 9. संविधान की कुंजी किसे कहाँ जाता है ?

उत्तर—प्रस्तावना को

प्रश्न 10. भारत में किस प्रकार की शासन प्रणाली अपनाई गई है ?

उत्तर—संसदीय शासन प्रणाली।

भारतीय संविधान के आयाम

(iii) संघवाद—

हमारे देश में संघीय शासन व्यवस्था को अपनाया गया है। संघवाद से तात्पर्य है कि देश में एक से ज्यादा स्तर की सरकार कार्य करती है। भारत में केन्द्र, राज्य एवं स्थानीय स्तर पर सरकार है।

भारत में सभी स्तरों की सरकारों को विभिन्न मुद्दों पर फैसले लेने का स्वायत्त अधिकार है, लेकिन कानून बनाने का अधिकार सिर्फ केन्द्र व राज्य सरकारों को है। ये जिन मुद्दों पर कानून बना सकती है, उसके लिये

© JCERT not to be republished

संविधन में तीन सूचियाँ दी गई है—संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। संघ सूची में सुरक्षा, वित्त, संचार जैसे—राष्ट्रीय महत्व के विषयों को रखा गया है, जिसपर केन्द्र सरकार कानून बनाती है। राज्य सूची में राज्य से संबंधित विषयों जैसे—भूमि, कृषि, पुलिस आदि होते हैं, जिस पर राज्य सरकार कानून बनाती है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण जैसे—कुछ ऐसे भी विषय हैं, जिसपर दोनों सरकारें कानून बना सकती हैं। इन विषयों को समवर्ती सूची के अंतगर्त शामिल किया गया है। जब इस सूची के विषयों पर किसी प्रकार का मतभेद होता है, तो केन्द्र द्वारा बनाया गया कानून ही मान्य होता है।

यह भी जाने

संघ सूची—

बैंकिंग, रेलवे, डाक और तार, वायु सेना, बंदरगाह, विदेशी व्यापार और मुद्रा।

राज्य सूची—

कृषि, पुलिस, जेलखाना, स्थानीय शासन, सार्वज. निक स्वास्थ्य, भूमि, शराब, वाणिज्य, व्यापार और पशुपालन।

समवर्ती सूची—

शिक्षा, वन, मजदूर, संघ, सामानों में गिरावट गोद लेना और उत्तराधिकार और कृषि भूमि के अतिरिक्त किसी अन्य संपदा का हस्तांतरण।

अवशिष्ट विषयों पर विधि निर्माण का अधिकार केंद्र को प्राप्त है।

© JCERT not to be republished

बहुविकल्पीय प्रश्न

(i) संघ सूची, राज्य सूची तथा समवर्ती सूची का विस्तृत उल्लेख संविधान की किस अनुसूची में किया गया है ?

(क) छठी (ख) सातवीं (ग) आठवीं (घ) नौवीं

उत्तर—(ख) सातवीं।

(ii) भारतीय संविधान में राज्य की शक्तियाँ एवं कार्य किस प्रकार से विभाजित किए गए है ?

(क) तीन सूचियों में (ख) दो सूचियों में (ग) चार सूचियों में (घ) पाँच सूचियों में

उत्तर—(क) तीन सूचियों में।

(iii) भारतीय संविधान में अवशिष्ट अधिकार है—

(क) राज्यों के पास (ख) केन्द्र के पास

(ग) केन्द्र व राज्य दोनों पास (घ) स्थानीय स्वशासन के पास

उत्तर—(ख) केन्द्र के पास।

(iv) निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है ?

(क) संघ सूची के विषयों पर विधि निर्माण का अनन्य अधिकार संसद को प्राप्त है।

(ख) राज्य सूची के विषयों पर विधि निर्माण का अनन्य अधिकार राज्य विधानमण्डल को प्राप्त है।

(ग) समवर्ती सूची के विषयों पर संसद तथा राज्य विधानमण्डल दोनों को ही विधि निर्माण का अधिकार प्राप्त है।

(घ) भारतीय संविधान में अवशिष्ट शक्तियाँ राज्यों को प्रदान की गई है।

उत्तर—(घ) भारतीय संविधान में अवशिष्ट शक्तियाँ राज्यों को प्रदान की गई है।

(v) समवर्ती सूची में लिये विषयों पर अधिनियम बनाने का अधिकार किसक पास है ?

(क) राज्य और संघ (ख) केवल संघ (ग) केवल राज्य (घ) केन्द्रशासित प्रदेश

उत्तर—(क) राज्य और संघ

(vi) यदि समवर्ती सूची के किसी विषय पर राज्य विधानमण्डल द्वारा निर्मित अधिनियम उसी पर संसदीय अधिनियम परस्पर विरोधी हो तो—

(क) जो नियम पहले बना, वह मान्य होगा।

(ख) जो नियम बाद में बना, वह मान्य होगा।

(ग) संसदीय अधिनियम मान्य होगा

(घ) संसद और राज्य विधानमण्डन दोनों को पुनः अधिनियम निर्माण करना होगा

उत्तर—(ग) संसदीय अधिनियम मान्य होगा।

- **निम्नलिखित तालिका में पहचाने कि वे सरकार के किस स्तर से संबंधित है, उसके आगे निशान [√] लगाइए।**

	स्थानीय	राज्य	राष्ट्रीय
• गाँव में सार्वजनिक कुएँ का निर्माण	( )	( )	( )
• 100 के नया नोट शुरू करना	( )	( )	( )
• झारखंड से दिल्ली के बीच रेल सेवाएँ शुरू करना	( )	( )	( )
• भारत का अमेरिका के साथ मेरी संबंध बनाने का निर्णय	( )	( )	( )
• झारखंड सरकार द्वारा प्रणाली श्रमिक मजदूरों को नरेगा गाँव के तहत 100	( )	( )	( )

© JCERT not to be republished

संसदीय शासन पद्धति—

भारत का संविधान भारत के लिए संसदीय प्रणाली की सरकार की व्यवस्था करता है। हांलाकि भारत एक गणराज्य है और उसका अध्यक्ष राष्ट्रपति होता है किन्तु यह मान्यता है कि राष्ट्रपति कार्यपालिका का केवल नाममात्र या संवैधानिक अध्यक्ष होता है। वह यथार्थ राजनैतिक कार्यपालिका यानी मंत्री परिषद् की सहायता तथा उसके परामर्श से ही कार्य करता है।

भारत के लोगों को 1919 और 1935 के भारतीय शासन अधिनियम द्वारा लागू संसदीय शासन का अनुभव था और फिर अध्यक्षीय शासन प्रणाली में इस बात का भी डर था कि कहीं कार्यपालिका अपनी निश्चित पदावधि के कारण निरंकुश न हो जाए। अत: संविधान सभा ने विचार–विमर्श करके यह निर्णय लिया कि भारत के लिए अमेरिका के समान अध्यक्षीय शासन प्रणाली के स्थान पर संसदीय शासन प्रणाली अपनाना उपयुक्त रहेगा।

संसदीय शासन प्रणाली जिसमें व्यवस्थापिका तथा कार्यपालिका के बीच सामंजस्यपूर्ण संबंध होता है। कार्यपालिका की शक्ति एक व्यकित के हाथ में न होकर मंत्रिमंडल या कैबिनेट में निहित होता है। मंत्रिपरिषद का अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है। लोकसभा के बहुमत दल के नेता को प्रधानमंत्री नियुक्त किया जाता है। प्रधानमंत्री लोक सभा या राज्यसभा का सदस्य हो सकता है। मंत्रीपरिषद लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है।

© JCERT not to be republished

गतिविधि—दो देशों का पता लगाइए, जहाँ संसदीय शासन प्रणाली प्रचलित है।

बहुविल्कपीय

(i) भारत में किस प्रकार की शासन प्रणाली को अपनाया जाता है ?

(क) अध्यक्षात्मक (ख) संसदात्मक (ग) तानाशाह (घ) राजतंत्रात्मक

उत्तर—(ख) संसदात्मक शासन प्रणाली

(ii) संसदीय कार्यपालिका में राज्य का प्रधान होता है—

(क) राष्ट्रपति (ख) राज्यपाल (ग) प्रधानमंत्री (घ) मुख्यमंत्रर

उत्तर—(क) राष्ट्रपति।

(iii) भारत की संसदीय शासन प्रणाली में वास्तविक प्रधान कौन है ?

(क) राष्ट्रपति (ख) उपराष्ट्रपति (ग) प्रधानमंत्री (घ) राज्यपाल

उत्तर—प्रधानमंत्री

(iv) कार्यपालिका की शक्ति किसमें निहित होती है ?

(क) राज्यपाल (ख) राष्ट्रपति (ग) मंत्रिमण्डल

उत्तर—(ख) राष्ट्रपति

(v) प्रधानमंत्री बहुमत दल का नेता होता है—

(क) राज्यपाल (ख) विधानसभा (ग) विधानमण्डल (घ) लोकसभा

उत्तर—(घ) लोकसभा

भारत में सरकार के संसदीय स्वरूप की विशेषता—

(1) नाममात्र और वास्तविक अधिकारी

(2) बहुमत दल का शासन

(3) विधायिका के प्रति कार्यपालिका का सामूहिक जिम्मेदारी

(4) विधायिका में मंत्रियों की सदस्यता

(5) प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री का नेतृत्व

(6) निचले सदन का विघटन

© JCERT not to be republished

स्वतंत्र एवं निष्पक्ष न्यायपालिका—

भारत के संविधान में स्वतंत्र निष्पक्ष न्यायपालिका की व्यवस्था की गई है। भारत की संसदीय सरकार के तीन अंग है—

(1) विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका।

न्यायपालिका का काम संविधान की रक्षा करना, न्याय दिलाना, नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना और भारत में लोकतंत्र की स्थापना में मदद करना है।

न्यायपालिका के कार्य निम्न है—

(i) विवादों का निपटारा

(ii) न्यायिक समीक्षा

(iii) नागरिक के अधिकार एवं संविधान के संरक्षण करना है।

भारत में न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए संविधान में निम्न प्रावधान किये गये हैं—

- उच्चतम न्यायलय के न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है लेकिन उन्हें पदमुक्त करने का अधिकार राष्ट्रपति को नहीं है।
- उच्चतम या उच्च-न्यायालय के अधीन कर्मचारियों की नियुक्ति तथा उनकी सेवा शर्त आदि का निर्धारण का अधिकार संबंधित न्यायालय का होता है।

यह भी जानें

- सर्वोच्च न्यायालय का गठन संबंधी प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 124 में वर्णित है।
- उच्च न्यायालय का गठन संविधान के अनुच्छेद 214 में निहित है।
- झारखंड उच्च न्यायालय की स्थापना 15 नवम्बर, 2000 ई. में की गई थी।
- झारखंड उच्च न्यायालय देश का 21वीं उच्च न्यायालय है।
- झारखंड उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश विनोद कुमार थे।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

(1) सरकार के कितने अंग होते हैं ?

(i) दो (ii) तीन (iii) एक भी नहीं (iv) चार

उत्तर—(ii) तीन

(2) उच्चतम न्यायालय के न्याशधीशों की नियुक्ति कौन करता है ?

(i) राष्ट्रपति (ii) प्रधानमंत्री (iii) मुख्यमंत्री (iv) विधानमंडल

उत्तर—(i) राष्ट्रपति

© JCERT not to be republished

(3) झारखण्ड उच्च न्यायालय की स्थापना कब हुई ?

(i) 2000 ई. में (ii) 2004 में (iii) 2010 में (iv) 2001 ई. में

उत्तर—(i) 2000 ई में

(4) झारखण्ड उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य-न्यायाधीश कौन थे ?

(i) (ii) (iii) विनोद कुमार (iv)

उत्तर—(iii) विनोद कुमार

(5) सर्वोच्च न्यायालय का गठन संबंधी प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में किया गया है ?

(i) अनुच्छेद 214 (ii) अनुच्छेद 320 (iii) अनुच्छेद 117 (iv) अनुच्छेद 124

उत्तर—(iv) अनुच्छेद 124

मैलिक अधिकार—

मौतिक अधिकार से तात्पर्य वे अधिकाकर, जो व्यक्तियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक होते है इन्हें राज्य या समाज द्वारा प्रदान किया जता है तथा इसके संरक्षण कि व्यवस्था की जाती है।

संविधान के भाग 3 में अनुच्छेद 12 से 30 तथा 32 से 35 में मौलिक अधिकारों का वर्णन किया गया है।

भारतीय संविधान द्वारा 6 मौलिक अधिकार प्रदान किये गये है, जो निम्नलिखित हैं—

(i) समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14 से 18 तक)—

समानता से तात्पर्य है कि धर्म, जाति, लिंग के आधार पर किसी भी नागरिक के साथ भेदवभाव नहीं किया जा सकता। कानून की नजर में सभी लोग समान है।

(ii) स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19 से 22 तक)—

इसके तहत नागरिकों को अभिव्यक्ति और भाषण, शांतिपूर्ण सभा करने, संगठन बनाने, देश के किसी भी कोने में आने जाने और रहने तथा कोई भी व्यवसाय का अधिकार प्रदान किया गया है।

© JCERT not to be republished

(iii) शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23 व 24)—

इस अधिकार के तहत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को खतरनाक काम–धंधों में लगाना, मजदूरी कराना अपराध है। साथ–ही मानव तस्करी, बंधुआ मजदूरी, गुलामी करवाना भी अपराध धोषित किया गया है।

(iv) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25 से 28 तक)—

प्रत्येक व्यक्ति को अपनी इच्छा के अनुसार कोई भी धर्म अपनाने, प्रचार–प्रसार करने का अधिकार है।

चर्चा करें

यदि किसी व्यक्ति को संविधान द्वारा प्राप्त मौलिक अधिकार का हनन हो रहा है, तो उस व्यक्ति को क्या करना चाहिए।

यह भी जाने

प्रारंभ में संविधान में 7 मौलिक अधिकार को शामिल किया गया था, लेकिन 1978 में 44 संविधान संशोधन के द्वारा संपत्ति के अधिकार को हटा दिया गया।

गतिविधि

सभी नागरिकों को अपने धर्म को अपनाने, प्रचार–प्रसार करने के लिए संविधान के अंतर्गत कौन–सा अधिकार प्रदान किया गया है।

(v) सांस्कृतिक और शैक्षणिक अधिकार (अनुच्छेद 29 से 30 तक)—

भारत विविधिताओं का देश है, इसलिए संविधान में सभी समुदायों को अपनी संस्कृतिक की रक्षा और विकास के लिए अधिकार दिया गया है।

(vi) संवैधानिक उपचार का अधिकार अनुच्छेद (32 से 35)—

यदि किसी व्यक्ति को लगता है कि राज्य द्वारा उसके किसी मौलिक अधिकार का हनन हुआ है, तो वह अदालत की शरण में जा सकता है।

मौलिक कर्त्तव्य

(i) संविधान का पालन और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करना चाहिए।

(ii) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करके वाले उच्च आदर्शों को अपनाना चाहिए।

(iii) भारत की संप्तभुता, एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखना चाहिए।

(iv) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण तथा महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुँचाने वाली विचारों का त्याग करना चाहिए।

(v) सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा के महत्त्व को समझना और उसका परिरक्षण करना चाहिए।

© JCERT not to be republished

मौलिक कर्त्तव्य—

भारतीय संविधान में सभी नागरिकों को अधिकार के साथ-साथ कुछ कर्त्तव्य भी दिये गये है जिसके पालन की भी उम्मीद की जाती है। संविधान के संशोधन के लिए गठित स्वर्ण सिंह समिति की रिपोर्ट के आधार पर 1976 में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा भाग 4(क) का जोड़कर मूल कर्त्तव्यों को शामिल किया गया है। वर्तमान में इसकी संख्या 11 है।

'शिक्षा का अधिकार'—

शिक्षा का अधिकार विधेयक को संसद ने 4 अगस्त, 2009 को मंजदूरी प्रदान की एवं 1 अप्रैल 2010 से शिक्षा का अधिकार कानून लागू हो गया। इसके द्वारा राज्य को यह कर्त्तव्य सौंपा गया है कि वह 6-14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को नि:शुकल और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करेगा।

अभ्यास प्रश्न

(1) संविधान के किस भाग में मौलिक अधिकारों का वर्णन किया गाय है ?

(i) भाग 1 (ii) भाग 3 (iii) भाग 5 (iv) भाग 8

उत्तर—(ii) भाग 3

(2) भारतीय संविधान में कितने मौलिक अधिकार दिये गये है ?

(i) 6 (ii) 8 (iii) 11 (iv) 14

उत्तर—(i) 6

(3) प्रारंभ में संविधान में कितने मौलिक अधिकार दिये गये थे ?

(i) 6 (ii) 7 (iii) 11 (iv) 14

उत्तर—(ii) 7

(4) 44वें संविधान संशोधन के द्वारा किस मौलिक अधिकर को हटा दिया गया ?

(i) समानता का अधिकार (ii) संपत्ति का अधिकार

(iii) स्वतंत्रता का अधिकार (iv) शोषण के विरुद्ध अधिकार

उत्तर—(ii) संपत्ति का अधिकार

© JCERT not to be republished

(5) यदि किसी व्यक्ति को संविधान द्वारा प्राप्त मौलिक अधिकार का हनन हो रहा है तो उसे क्या करना चाहिए ?

(i) उसे चुप रहना चाहिए (ii) मुख्यमंत्री से मिलना चाहिए

(iii) राष्ट्रपति के पास जाना चाहिए (iv) न्यायालय की शरण में जाना चाहिए

उत्तर—(iv) न्यायालय की शरण में जाना चाहिए

अभ्यास प्रश्न

(6) शिक्षा का अधिकार अधिनियम कब लागू हुआ ?

(i) 1 मई, 2009 (ii) 1 अप्रैल, 2009 (iii) 1 अप्रैल, 2010 (iv) 1 मई, 2010

उत्तर—(iv) 1 मई, 2010

(7) वर्तमान में मौलिक कर्त्तव्यों की संख्या कितनी है ?

(i) 15 (ii) 4 (iii) 11 (iv) 12

उत्तर—(iii) 11

(8) किस संशोधन के तहत मौलिक कर्त्तव्यों को संविधान में जोड़ा गया है ?

(i) 44 (ii) 42 (iii) 22 (iv) 24

उत्तर—(ii) 42

(9) शिक्षा का अधिकार के तहत कितने विर्ष के बच्चों को अनिवार्य एवं नि:शुल्क शिक्षा की व्यवस्था की गई है ?

(i) 0 – 14 वर्ष (ii) 2 – 16 वर्ष (iii) 1 – 14 वर्ष (iv) 6 – 14 वर्ष

उत्तर— (iv) 6 – 14 वर्ष

(10) संविधान में स्वतंत्रता का अधिकार का वर्णन किस अनुच्छेद में किया गया है ?

(i) अनुच्छेद 19 से 22 तक (ii) अनुच्छेद 14 से तक

(ii) अनुच्छेद 29 से 30 तक (iv) अनुच्छेद 20 से 25 तक

उत्तर— (i) अनुच्छेद 19 से 22 तक

धर्म निरपेक्षता—

संविधान की प्रस्तावना में 1976 में पंथ-निरपेक्ष शब्द जोड़ा गया। धर्मनिरपेक्ष या पंथ-निरपेक्ष राज्य वह होता है जिसमें राज्य किसी धर्म को बढ़ावा नहीं देता है। राज्य का अपना कोई धर्म नहीं होता है। धर्म के

© JCERT not to be republished

आधार पर राज्य अपने नागरियों के बीच भेदभाव नहीं करता है। सभी को अपना-अपना धर्म मानने का समान अधिकार होता है। राज्य धर्म के मामले में तटस्थ रहता है। किसी धर्म वह पक्षधर नहीं होता ओर प्रत्येक धर्म का समान रूप से सम्मान करता है।

संविधान में जो प्रावधान किए गए हैं उसका निष्कर्ष यह है कि—

- कोई एक धार्मिक समुदाय किसी दूसरे समुदाय को दबा नहीं सकता।
- एक ही धर्म के लोग उसी धर्म के किसी अन्य व्यक्ति को दबा नहीं सकते।
- राज्य किसी नागरिक पर न तो किसी खास धर्म को थोप सकता है और न ही लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता छीन सकता है।

धर्म निरपेक्ष की विशेषता—

- सभी धर्मो के बीच समानता होता है।
- कानून द्वारा किसी धर्म का पक्षपात नहीं होता है।
- सभी धर्मो के लोग को अपने धर्म के पालन तथा प्रचार और प्रसार की आजादी व राज्यों द्वारा किसी भी धर्म को राजकीय धर्म घोषित नहीं किया जाता।

मानवाधिकार—

मानवाधिकार की रक्षा राज्य को दायित्व है इसलिए नियंत्रण संस्था के रूप में राज्य का कर्त्तव्य होगा कि वह मानवाधिकार की रक्षा करें। झारखंड के लोगों द्वारा मानवाधिकारों की रक्षा व न्याय दिलाने के लिए राज्य मानवाधिकार आयोग का गठन 17 जनवरी 2011 को किया गया था। झारखंड राज्य मानवाधिकार आयोग का पहला अध्यक्ष नारायण राय को नियुक्त किया गया था।

व्यक्तिगत स्तर पर किसी देश और व्यक्तियों के समग्र विकास के लिये मानव अधिकार अत्यन्त महत्वपूर्ण है। मानवाधिकार दिवस 10 दिसम्बर को पूरे विश्व में मनाया जाता हैं।

स्मरणीय तथ्य

- संविधान 'सम' और 'विधान' दो शब्दों के मेल से बना है।
- भारत का संविधान लिखित एवं विश्व का सबसे बड़ा संविधान है।
- भारत का संविधान कठोर एवं लचीला का समन्वय है।

© JCERT not to be republished

- ऐसा संविधान जिसमें संशोधन करने में कठिनाई हो कठोर संविधान कहलाता है।
- ऐसा संविधान जिसमें संशोधन करने में आसानी हो लचीला संविधान कहलाता हे।
- भारत में सर्वप्रथम संविधान की माँग करने वाला दल स्वराज दल था।
- संविधान को जनता तक लाने का श्रेय प. जवाहर लाल नेहरू का है।
- भारत में संघीय शासन व्यवस्था अपनाई गई।
- संघवाद से तात्पर्य देश में एक से ज्यादा स्तर की सरकारें कार्य करती हैं।
- भारत में त्रिस्तरीय सरकार–केन्द्र, राज्य, स्थानीय स्तर पर हैं।
- भारत में संसदीय शासन प्रणाली अपनाई गई।
- सররकार के तीन अंग–कार्यपालिका, विधायिका एवं न्यायपालिका।
- उच्चतम एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति करता हैं।
- झारखंड उच्च न्यायालय की स्थापना 15 नवम्बर 2000 ई. में की गई।
- झारखंड उच्च न्यायालयश देश का 21वीं उच्च न्यायालय है।
- संविधान द्वारा नागरियों को कुछ अधिकार दिये गये है जिसे मौलिक अधिकार कहते है।
- भारतीय संविधान में 6 मौलिक अधिकार एवं 11 मौलिक कर्त्तव्यों का वर्णन किया गया है।
- संविधान की 'प्रस्तावना' में 1976 में पंथ-निरपेक्ष' शब्द जोड़ा गया।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न (i) संविधान कब लागु हुआ ?

उत्तर—संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ।

प्रश्न (ii) नियमों और कानूनों के संग्रह को क्या कहते हैं ?

उत्तर—नियमों और कानूनों के संग्रह को संविधान कहते हैं।

प्रश्न (iii) किसी एक देश का नाम बताये जिनका संविधान लिखित है ?

उत्तर—भारत का संविधान लिखित है।

© JCERT not to be republished

प्रश्न (iv) अलिखित संविधान वाले किसी एक देश का नाम बताये ?

उत्तर—ब्रिटेन का संविधान अलिखित संविधान है।

प्रश्न (v) कठोर संविधान किसे कहते है ?

उत्तर—जिस संविधान का संशोधन करने में कठिनाई हो, उसे कठोर संविधान कहते है।

लघुउत्तरीय प्रश्न

प्रश्न (1) उत्पत्ति के आधार पर संविधान के प्रकार लिखे।

उत्तर—उत्पत्ति के आधार पर संविधान के दो प्रकार है—(1) विकसित संविधान, (2) निर्मित संविधान।

प्रश्न (2) लिखित संविधान किसे कहते है ?

उत्तर—नियमों और कानूनों का ऐसा संग्रह जो लिखित अवस्था में होता है, उसे लिखित संविधान कहते हैं।

प्रश्न (3) धर्मनिरेक्षता से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर—धर्मनिरपेक्षता का अर्थ है कि राज्य, राजनीति या किसी और धार्मिक मामले से धर्म को दूर तथा सरकार धर्म के आधार पर किसी से भी कोई भेदभाव न करें।

प्रश्न (4) सरकार के कितने अंग हैं ? नाम बताये।

उत्तर—सरकार के तीन अंग हैं—(i) विधायिका, (ii) कार्यपालिका, (iii) न्यायपालिका।

प्रश्न (5) अवशिष्ट विषयों पर विधि निर्माण का अधिकार किसे प्राप्त है ?

उत्तर—अवशिष्ट विषयों पर विधि निर्माण का अधिकार केन्द्र को प्राप्त है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(1) संघवाद से आप क्या समझते है ?

(2) भारत में संसदीय शासन प्रणाली क्यों अपनाई गई ?

(3) 'शिक्षा का अधिकार' अधिनियम क्या है ?

(4) भारतीय संविधान में नागरिकों को कौन-कौन मौलिक अधिकार दिये गये हैं? अगर किसी व्यकित के मौलिक अधिकार का हनन हो रहा है, तो उसे क्या करना चाहिए।

(5) मानवाधिकार से आप क्या समझते हैं? मानवधिकारों की रक्षा की आवश्यकता क्यों है ?

© JCERT not to be republished